प्रशिक्षण सेवाएँ

- सन् 1995 में राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान (NITS) की स्थापना की गई।
- सन् 2003 NITS नोएडा में शिफ्ट किया गया।
- NITS उद्योग, प्रयोगशालाओं, बीआईएस की तकनीकी समिति के सदस्यों तथा बीआईएस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।
- मानकीकरण, मैनेजमैंट पद्धतियों, प्रमाणन तथा प्रयोगशाला परीक्षण में एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के लिए विदेश मंत्रालय की सहायता से अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

जागरूकता कार्यक्रम

भारतीय मानक ब्यूरो निम्नलिखित के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है:

- शैक्षिक संस्थान
- उपभोक्ता
- उद्योग

मानकः पथप्रदर्शकः

भारतीय मानक ब्यूरो

मानक भवन, 9 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली –110002
www.bis.gov.in

अगस्त 2017 एफ

मानकः पथप्रदर्शकः

भारतीय मानक ब्यूरो, एक नज़र में

इतिहास

- भारतीय मानक संस्था (आईएसआई) के रूप मे दिनांक 6 जनवरी, 1947 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत स्थापित हुई।
- आईएसआई ने 1955 में प्रमाणन मुहर योजना की शुरुआत की।
- संसद द्वारा बीआईएस अधिनियम, 1986 के अंतर्गत बीआईएस की स्थापना 01 अप्रैल 1987 को हुई। इसका कार्यक्षेत्र और शक्तियाँ, दोनों बढ़ाई गई।

मूल गतिविधियाँ

- मानक निर्धारण
- प्रमाणन
- प्रयोगशाला
- अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ
- प्रशिक्षण सेवाएँ

मानकीकरण

- भारतीय मानक ब्यूरो तकनीकी समितियों के माध्यम से मानक बनाता है, जो भारतीय मानक कहलाते हैं।
- तकनीकी समितियों में विशेषज्ञ और उपभोक्ताओं के प्रतिनिधि, रेगुलेटरी एवं अन्य सरकारी निकाय, उद्योग, प्रयोगशालाएँ, वैज्ञानिक तथा टैक्नोलॉजिस्ट होते हैं।
- भारतीय मानक ब्यूरो ने अब तक तकरीबन 19088 भारतीय मानक बनाए हैं। इनमें तकरीबन 52% उत्पाद विशिष्टियाँ, 18% परीक्षण विधियाँ और 11% रीति संहिता हैं।
- भारतीय मानक ब्यूरो के अलावा तकरीबन 35 दूसरे स्टेंडर्ड सैटिंग ऑर्गनाइजेशन हैं, तथापि, उनके मानक यदि बीआईएस द्वारा अपना लिए जाते हैं तो वे भारतीय मानक कहलाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियाँ

- भारतीय मानक ब्यूरो भारत का मानक निकाय है और इंटरनेशनल स्टेंडर्डाइजेशन ऑर्गेनाइजेशन (ISO) तथा इंटरनेशनल इलैक्ट्रोटैक्निकल कमीशन (IEC), पैसिफिक एरिया स्टेंडर्ड कांग्रेस (PASC) साउथ एशियन रीजनल स्टेंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन (SARSO) : का सदस्य है।
- तकनीकी समितियों की बैठकों में उपस्थित होकर और दस्तावेजों पर टिप्पणियाँ भेजने के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मानकों के बनने में भाग लेता है।
- ISO एवं IEC द्वारा बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपना कर दोहरी अंकन पद्धति (अर्थात् IS/ISO, IS/IES) के तहत भारतीय मानक के रूप में अपनाता है।
- भारतीय मानक ब्यूरो ने विभिन्न देशों के साथ 7 परस्पर मान्यता करार (MRA) और 30 समझौता ज्ञापनों (MoU) पर भी हस्ताक्षर किए हैं।
- भारतीय मानक ब्यूरो भारत का WTO-TBT पूछताछ बिन्दु है।

प्रमाणन

उत्पाद प्रमाणन योजना

- भारतीय मानक ब्यूरो विश्व में सर्वाधिक उत्पाद प्रमाणन योजनाएँ प्रचालन करने वाले संगठनों में एक है।
- निर्माताओं को मानक मुहर (मुहर) के प्रयोग के लिए लाइसेंस प्रदान करता है।
- भारतीय मानक ब्यूरो 'सामान्य प्रक्रिया' के साथ–साथ जल्दी लाइसेंस देने के लिए फास्ट–ट्रैक 'सरलीकृत प्रक्रिया' के तहत लाइसेंस प्रदान करता है।
- उत्पाद प्रमाणन स्वैच्छिक प्रकृति की योजना है जबकि कुछ उत्पादों के लिए सरकार इसे जनहित को ध्यान में रखते हुए अनिवार्य बनाती है।
- भारतीय मानक ब्यूरो नए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पाद प्रमाणन के पहले अखिल भारतीय लाइसेंस मामलों की विशिष्ट स्तरों पर समय–मानदंड की मॉनिटरिंग करता है।
- 108 उत्पाद अनिवार्य प्रमाणन तथा तकरीबन 800 उत्पाद स्वैच्छिक प्रमाणन के तहत हैं।
- भारतीय मानक ब्यूरो ने अब तक 33632 से ज्यादा लाइसेंस प्रदान किए हैं, जिसमें से 81% से ज्यादा MSME हैं।
- प्रचालित कुल लाइसेंसों में से, करीब 35% अनिवार्य प्रमाणन और 65% स्वैच्छिक प्रमाणन के तहत हैं।
- भारतीय मानक ब्यूरो मानक मुहर (मुहर) के प्रयोग हेतु विदेशी निर्माताओं को भी लाइसेंस प्रदान करने के लिए अलग योजना का प्रचालन करता है, वर्तमान में 51 देशों के निर्माताओं को लगभग 757 लाइसेंस प्रदान किए हैं।

IS: ....
CM/L-xxxxxxx

अनुरूपता की स्वयं घोषणा (S-DOC):

- इस योजना के तहत, निर्माताओं को अपने उत्पादों की अनुरूपता की स्वयं घोषणा करने के लिए पंजीकरण प्रदान किया जाता है।
- यह एक सरल योजना है जिसमें निर्माता इकाइयों का निरीक्षण और सैम्पल लेने की जरूरत नहीं होती है।
- आवेदकों द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर, उनकी जांच के आधार पर पंजीकरण प्रदान किया जाता है।
- इलैक्ट्रॉनिकी और आईटी विभाग द्वारा अधिसूचित 30 इलैक्ट्रॉनिक उत्पाद अनिवार्य पंजीकरण योजना (CRS) के अंतर्गत शामिल हैं।
- CRS के अंतर्गत 9578 से ज्यादा पंजीकरण प्रदान किए गए हैं।

IS ----------
R - XXXXXXXX

मैनेजमैंट पद्धति प्रमाणन योजना:

- मैनेजमैंट पद्धतियाँ किसी संगठन को निम्नलिखित क्षेत्रों में उसकी विभिन्न गतिविधियों एवं प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करने तथा सुधारने में समर्थ बनाती हैं:
  - गुणता (IS/ISO 9001 : 2015)
  - पर्यावरण(IS/ISO 14001 : 2015)
  - व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा (IS 18001 : 2007)
  - खाद्य सुरक्षा (IS /ISO 22000 : 2005)
  - ऊर्जा (IS/ISO 50001 : 2011)
  - चिकित्सा उपकरण (IS /ISO 13485 : 2003)
  - जोखिम विश्लेषण (IS 15000 : 1988)
  - सार्वजनिक सेवा संगठनों द्वारा सेवा की गुणता (IS 15700 : 2005)

IS/ISO 9001
QMS

- भारतीय मानक ब्यूरो सन् 1991 से मैनेजमैंट पद्धति प्रमाणन का प्रचालन कर रहा है।
- भारतीय मानक ब्यूरो ने मैनेजमैंट पद्धतियों के लिए तकरीबन 1315 लाइसेंस प्रदान किए हैं।

सोने एवं चांदी के आभूषणों की हालमार्किंग:

- सन् 2000 में सोने के आभूषणों तथा सन् 2005 में चांदी के आभूषणों की हालमार्किंग शुरू हुई।
- भारतीय मानक ब्यूरो सोने एवं चांदी के आभूषणों की बिक्री हेतु जौहरियों को लाइसेंस और सोने एवं चांदी की शुद्धता की जांच तथा हालमार्क लगाने के लिए ऐसेइंग एवं हालमार्किंग केंद्रों (A&H केंद्रों) को मान्यता प्रदान करता है।
- भारतीय मानक ब्यूरो ने अब तक तकरीबन 19606 जौहरियों को लाइसेंस प्रदान किया है और 454 A&H केंद्रों को मान्यता दी है।

प्रयोगशाला

- भारतीय मानक ब्यूरो की 8 प्रयोगशालाएँ बीआईएस प्रमाणन योजनाओं के प्रचालन में सहायता करती हैं।
- केंद्रीय प्रयोगशाला साहिबाबाद में है, उत्तरी (मोहाली), दक्षिणी (चेन्नई), पश्चिमी (मुम्बई), पूर्वी (कोलकाता) क्षेत्रों में 4 और शाखा कार्यालयों (पटना, बंगलुरु तथा गुवाहाटी) में 3 प्रयोगशालाएँ हैं।
- इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने अब तक 195 बाहरी प्रयोगशालाओं को भी बीआईएस प्रयोगशाला मान्यता योजना (LRS) के तहत मान्यता दी है।
- साथ ही, भारतीय मानक ब्यूरो 47 अन्य विशेष प्रयोगशालाओं की सुविधाओं का भी उपयोग करता है।

Training Services

- National Institute of Training for Standardization (NITS) was set up in 1995.
- NITS was shifted to Noida in 2003.
- NITS organizes training programmes for industry, labs, BIS technical committee members and BIS officers.
- International Training Programmes are also organized with the assistance of MEA for Developing Countries of Asia, Africa, Europe and Latin America in the field of standardization, management systems, certification and laboratory testing.

Awareness Programmes

BIS organizes awareness programmes for:

- Educational institutions
- Consumers
- Industry

मानक: पथप्रदर्शक:

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110002
www.bis.gov.in

As on August 17

मानक: पथप्रदर्शक:

BIS AT A GLANCE

History

- Established as Indian Standards Institution (ISI) on 06th January, 1947 as a Society under the Societies Registration Act.
- ISI started Certification Marks Scheme in 1955.
- Bureau of Indian standards (BIS) came into existence on 1st April 1987, through enactment of BIS Act, 1986 by the Indian Parliament, with a broadened scope and more powers.

Core Activities

- Standards Formulation
- Certification
- Laboratory
- International Activities
- Training Services

Standardization

- BIS formulates standards through its technical committees, which are called as Indian Standards.
- In technical committees, there are experts and representatives of consumers, regulatory and other Government bodies, industry, laboratories, scientists and technologists.
- BIS has developed around 19088 Indian Standards so far, out of which around 52% are product specifications, 18% test methods and 11% code of practices.
- There are around 35 other standards setting organizations apart from BIS. However, their standards can be termed as Indian Standards only if adopted by BIS.

International Activities

- BIS is the National Standards Body of India and is a member of International Organization for Standardization (ISO) and International Electro technical Commission (IEC), Pacific Area Standards Congress (PASC) and South Asian Regional Standards Organization (SARSO).
- Participates in formulation of International Standards by attending meetings of technical committees and sending comments on documents.
- Adopts International Standards developed by ISO and IEC as Indian Standards under dual numbering system (i.e. IS/ISO, IS/IEC).
- BIS has signed 30 Memorandum of Understanding (MoUs) & 7 Mutual Recognition Agreements (MRA) with various countries.
- BIS is WTO-TBT Enquiry Point of India.

Certification

Product Certification Scheme:

- BIS operates one of the largest Product Certification Schemes in the world.
- License is granted to the manufacturers for use of Standard Mark (ISI Mark).
- BIS grants licence by 'Normal Procedure' as well as a fast-track 'Simplified Procedure' for quicker grant of licence.
- Product Certification Scheme is voluntary in nature until it is made compulsory for certain products by the Government keeping in view the public interest.
- All-India first cases of product certification are monitored by specific stage wise time-norms to encourage fresh entrepreneurs.
- 108 products are under compulsory BIS certification and around 800 products are under voluntary certification.
- BIS has granted more than 33632 licenses so far, 81% of which are held by manufacturers from MSME sector.
- Out of the total licenses in operation, around 35% are under compulsory BIS certification and around 65% are under voluntary certification.
- BIS also operates a separate scheme for grant of license to foreign manufacturers for use of the standard mark (ISI Mark), as on date, around 757 licenses are in operation in 51 countries.

IS: .....
CM/L-xxxxxxx

Self Declaration of Conformity (S-DOC):

- Under this scheme, registration is granted to the manufacturers for self declaration of conformity of their products.
- It is a simple scheme for which no elaborate procedures like visit to manufacturing unit and drawing of samples are required.
- Registration is granted based on scrutiny of test reports from BIS recognised labs submitted by the applicants.
- 30 electronic products as notified by Deity are covered under Compulsory Registration Scheme (CRS).
- More than 9578 registrations granted under CRS.

IS .....
R - XXXXXXXX

Management Systems Certification Scheme:

- Management systems enable an organization in systematizing and improving various activities and processes covering areas like:
  - Quality (IS/ISO 9001 : 2015)
  - Environment (IS/ISO 14001 : 2015)
  - Occupational health & safety (IS 18001 : 2007)
  - Food safety (IS/ISO 22000 : 2005)
  - Energy (IS/ISO 50001 : 2011)
  - Medical Devices (IS/ISO 13485 : 2003)
  - Hazard Analysis (IS 15000 : 1988)
  - Service quality by public service organizations (IS 15700 : 2005)
- BIS has been operating Management Systems Certification since 1991.
- There are around 1315 licenses for management systems given by BIS.

IS/ISO 9001
QMS

Hallmarking of Gold and Silver Jewellery:

- Hallmarking of gold jewellery started in 2000 and of silver jewellery in 2005.
- BIS grants license to jewellers for selling hallmarked gold and silver jewellery; and recognises Assaying and Hallmarking Centres (A&H Centre) for checking the purity of gold and silver jewellery and putting hallmark.
- BIS has so far given license to around 19606 jewellers and has recognised 454 A&H Centres.

Laboratory

- BIS has its 8 laboratories to support operation of BIS Certification Scheme.
- Central Lab located at Sahibabad, 4 labs in regions: Northern (Mohali), Southern (Chennai), Western (Mumbai), Eastern (Kolkata); 3 at the level of branch offices (Patna, Bengaluru and Guwahati).
- In addition, outside labs are also recognized by BIS under Laboratory Recognition Scheme (LRS). 195 outside labs recognised by BIS.
- Besides, there are around 47 other specialized labs, facilities of which are being utilized by BIS.